A–0175

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

BASL–301

Bachelor of Arts (BA)

(काव्य दर्शन एवं व्याकरण)

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :— यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :— खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्नलिखित में से किसी **दो** श्लोकों की सन्दर्भ सहित विस्तृत व्याख्या कीजिए–

(क) तं तथा कृपयाविष्टमश्रुपूर्णाकुलेक्षणम्।
विषीदन्तमिदं वाक्यमुवाच मधुसूदनः॥

(ख) गुरूनहत्वा हि महानुभावान्, श्रेयो भोक्तुं भेक्ष्यमपीह लोके।
हत्वार्थकामांस्तु गुरूनिहैव, भुञ्जीय भोगान रूधिरप्रदिग्धान्॥

(ग) अशोच्यानन्वशोचस्त्वं प्रज्ञावादांश्च भाषसे।
गतासूनगतासूंश्च नानुशोचन्ति पण्डिताः॥

(घ) नासतो विद्यते भावो नाभावो विद्यते सतः।
उभयोरपि दृष्टोऽन्तस्त्वनयोस्तत्वदर्शिभिः॥

2. "मोऽनुस्वारः", "अनुस्वारस्य ययि परसवर्ण" सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

अथवा

शिवराजविजय का परिचय देते हुए उसके रस वैशिष्ट्य का वर्णन कीजिए।

3. पठ्धातू के लृट् लोट्लकारों में रूप लिखिए।

4. निष्काम कर्मयोग से क्या समझते हैं, इसका विस्तृत वर्णन कीजिए।

5. तर्कसंग्रह में वर्णित उपमान विचार को परिभाषित कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. प्रस्तुत गद्य का सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए–

   यावदेष ब्रह्मचारी बटुरलिपुञ्जमुद्धूय कुसुमकोरकानवचिनोतिः तावत् तस्यैव सतीर्थ्योऽपरस्तत्समानवयाः कस्तूरिका–रेणु–रुषित इव श्यामः, चन्दनचर्चित–भालः, कर्पूरागुरु–क्षोदच्छुरित–वक्षो–बाहु–दण्डः, सुगन्धपटलैरु–निद्रयन्निव निद्रा–मन्थराणि कोकरकनिकुरम्बकान्त–रालसुप्तानि मिलिन्द–वृन्दानि झटिति समुपसृत्य निवारयन् गौरबटुमेवमवादीत्।

2. "विष्णोर्माया भगवतीयया सम्मोहितम् जगत्" इस सूक्ति को शिवराज विजय के सन्दर्भ में परिभाषित कीजिए।

3. तर्क संग्रह के अनुसार तेज के लक्षण को परिभाषित कीजिए।

4. "अतो रोरप्लुतादप्लुते" सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

5. तर्कसंग्रह के अनुसार पृथिवी का लक्षण प्रतिपादित कीजिए।

6. लिख् धातु के लङ् एवं लट् लकार के सभी रूप लिखिए।

7. श्रीमद्भगवद्गीतानुसार 'समत्वं योग उच्यते' पर प्रकाश डालिए।

8. ''यरोऽनुनासिके ऽनुनासिको वा'' सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

****